मनसा सेवा - 27

➢➢ सहन शक्ति

➳ _ ➳ सहन शक्ति से बाकी सभी शक्तियां आत्मा की और स्वतः ही आकर्षित होने लगती है

➳ _ ➳ सहन शक्ति से परमात्म दुआएं प्राप्त होती है

➳ _ ➳ सहन शक्ति से आत्मा में बल भरने लगता है, आत्मा शक्तिशाली बनने लगती है ...

➳ _ ➳ जो सहन करते हैं, वो शहनशाह बनते हैं

➢➢ 4 चीज़ें जो प्रभु को अर्पण करनी हैं

➳ _ ➳ तन

→ यह तन तेरी अमानत है... मैं आत्मा साक्षी होकर आपकी अमानत का ख़याल रख रही हूँ

➳ _ ➳ मन

→ मन को अर्पित करना :- सबसे बड़ी साधना

→ ॐ शांति के अर्थ में स्थित हो जाना

→ मन का मौन / मन को सम्पूरण रूप से शांत कर देना

→ व्यर्थ पर सम्पूरण विजय

→ **मन में जब तक किसी आत्मा के लिए मोह / नफरत / घृणा है... आप उस आत्मा को साकाश नहीं दे सकते...**

→ सबसे बड़ी महानता :- वैचारिक मतभेद में हार स्वीकार करना... यह स्वीकार करना की मैं गलत कह रहा था और आप सही कह रहे थे...

→

➳ _ ➳ धन

→ यह धन भी तेरा है... जिसका उपयोग श्रीमत पर लोकिक घर / सेण्टर / मधुबन की सेवा के लिए करना है

➳ _ ➳ जन

→ सर्व समबन्ध एक बाप से

Avyakt Murli Refrence :- Page Number 19-20 Of Mansa Sewa Book